Total No. of Printed Pages—4

4 SEM TDC HIN (CBCS) MIL (A)

2026

(May/June)

HINDI

(Modern Indian Language)

(For Arts)

Paper : MIL–2

(हिन्दी गद्य एवं पद्य)

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions.

*Candidates **eligible** for Internal Assessment shall answer Question Nos. **1** to **6**.*

Full Marks : 80
Pass Marks : 32

*Candidates **not eligible** for Internal Assessment shall answer Question Nos. **1** to **7**.*

Full Marks : 100
Pass Marks : 40

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×8=8

(क) कबीरदास किसके शिष्य थे?

(ख) तुलसीदास भक्तिकाल की किस शाखा के कवि थे?

(ग) रसखान का मूल नाम क्या था?

(घ) 'पोस्टर और आदमी' कविता किसकी रचना है?

(ङ) 'मैं धोबी हूँ' किस विधा की रचना है?

(च) 'अकेली' कहानी का कहानीकार कौन है?

(छ) 'आधे-अधूरे' नाटक का प्रमुख पुरुष-पात्र कौन है?

(ज) 'आधे-अधूरे' नाटक का नाटककार कौन है?

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3×4=12

(क) कबीर के समाज-सुधारक रूप को संक्षेप में लिखिए।

(ख) गोस्वामी तुलसीदास का साहित्यिक परिचय दीजिए।

(ग) "भूषण वीर रस के कवि हैं।" इस कथन की पुष्टि कीजिए।

(घ) "दिनकर राष्ट्रीय चेतना और जनजागरण के कवि हैं।" इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

(ङ) गिरजा कुमार माथुर का संक्षिप्त जीवन-परिचय दीजिए।

(च) 'मैं धोबी हूँ' निबंध में निहित मुख्य सामाजिक मुद्दा क्या है? सविस्तार उत्तर दीजिए।

(छ) 'आधे-अधूरे' नाटक के नामकरण की सार्थकता पर प्रकाश डालिए।

3. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8×3=24

(क) "माली आवत देख के कलियाँ करत पुकार।
फूली-फूली चुन लई, काल्हि हमारी बार॥
पानी बाढ़े नाव में, घर में बाढ़े दाम।
दोनों हाथ उलीचिये, यहि सज्जन को काम॥"

अथवा

"मेरे नगपति! मेरे विशाल।
साकार दिव्य गौरव विराट,
पौरुष के पुन्जीभूत ज्वाल।
मेरी जननी के हिम किरीट।
मेरे भारत के दिव्य भाल
मेरे नगपति मेरे विशाल।"

(ख) "वर्षा के महीनों में आकाश पर निरंतर गहरापन बना रहता है, बादल आकाश से बरस-बरसकर संतुष्ट न होते। वे उमड़-उमड़कर घरों के भीतर चले आते।"

अथवा

"विद्यार्थियों का स्वभाव पढ़ाई के बँधे घण्टों में लगभग एक सा होता है। परन्तु इसके बाद वे समय को जिस बेकारी और बेहिसाबी से बिताते हैं यह उन्हें एक-दूसरे से अलग कर देती है।"

(ग) "किसी माने में नहीं। मैं इस घर में एक रबड़ स्टैम्प भी नहीं, सिर्फ एक रबड़ का टुकड़ा हूँ—बार-बार घिसा जाने वाले रबड़ का टुकड़ा। इसके बाद क्या कोई मुझे वजह बता सकता है, एक भी ऐसी वजह, कि क्यों मुझे रहना चाहिए इस घर में?"

अथवा

"मेरे पास अब बहुत साल नहीं हैं जीने को। पर जितने हैं उन्हें मैं इसी तरह और निभाते हुए नहीं काटूँगी। मेरे कहने से जो कुछ हो सकता था इस घर का हो चुका आज तक। मेरी तरह से यह अंत है उसका निश्चित अंत।"

4. कबीरदास के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालिए। 12

अथवा

'हिमालय के प्रति' कविता का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

5. कहानी-कला की दृष्टि से 'आतिथ्य' कहानी की समीक्षा कीजिए। 12

अथवा

'गपशप' निबंध की कथावस्तु लिखिए।

6. 'आधे-अधूरे' नाटक के प्रमुख पुरुष-पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए। 12

अथवा

'आधे-अधूरे' नाटक की रंगमंचीयता पर प्रकाश डालिए।

(In lieu of Internal Assessment)

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×2=20

(क) गोस्वामी तुलसीदास की भक्ति-भावना पर प्रकाश डालिए।

(ख) रसखान का साहित्यिक परिचय दीजिए।

(ग) 'मैं धोबी हूँ' निबंध का सारांश लिखिए।

(घ) 'आधे-अधूरे' नाटक के शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालिए।

★ ★ ★